E Learning Study Material
By Prof YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR
BA PART 1st ECONOMICS HONS
PAPER 1st

Malthusian theory of Population

माल्थस का जनसंख्या का सिद्धान्त

प्रस्तुत सिद्धान्त का प्रतिपादन

इंगलैण्ड के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री टी० आर० माल्थस (T. R. Malthus) ने 1798 में अपनी पुस्तक An Essay on the Principle of Population में किया। जनसंख्या के सम्बन्ध में माल्थस का सिद्धान्त बहुत ही प्रसिद्ध एवं महत्वपूर्ण है। माल्थस एक पादरी थे जिस समय माल्थस अपनी पुस्तक लिख रहे थे, उस समय इंगलैण्ड की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही थी तथा लोगों का जीवन-स्तर निम्न होता जा रहा था। अतः, पादरी होने के कारण माल्थस ने बढ़ती हुई जनसंख्या की भयावह स्थिति से लोगों को अवगत कराते हुए अपने सिद्धान्त का प्रतिपादन किया।

माल्थस के विचारों को प्रभावित करने वाले तत्व - निम्नलिखित हैं -

1 इंगलैण्ड की तत्कालिन परिस्थितियाँ :- ~~माल्थस के~~
माल्थस के विचारों को प्रभावित करने में इंगलैण्ड की तत्कालिन परिस्थितियों महत्वपूर्ण

योगदान था। 18वी शताब्दी के पूर्वार्द्ध में इंगलैण्ड की कृषि उन्नत अवस्था में थी लेकिन इस शताब्दी के समाप्ति तक बेकारी गरीबी एवं अकाल के कारण लोगों की दशा इतनी दयनीय हो गयी थी कि ऐसा लगता था कि भूमि जनसंख्या के बोझ को सहन नहीं कर पायेगी। वहाँ खाद्यान्नों के मूल्य काफी ऊँचे थे। औद्योगिक क्रांति के कुप्रभावों के फलस्वरूप बेकारी, गरीबी विमारी तथा दंगे बढ़ते जा रहे थे। इन आर्थिक परिस्थितियों से प्रभावित होकर उनकी प्रतिक्रिया के रूप में माल्थस ने अपने सिद्धान्त का प्रतिपादन किया।

2. अन्य देशों की परिस्थितियाँ - यूरोप के अन्य देशों की परिस्थितियाँ भी इंगलैण्ड से अच्छी नहीं थी। आयरलैण्ड में तो स्थिति और भी खराब थी यूरोप के विभिन्न देशों के दौरे ने माल्थस को पूर्ण विश्वास दिला दिया कि जनसंख्या के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्नों की कमी थी।

3. गॉडविन के विचार - माल्थस की पुस्तक के प्रकाशन के पहले 1793 ई० में विलियम गाडविन (William Godwin) ने अपनी पुस्तक Enquiry Concerning Political Justice and its influence on Morals and Happiness प्रकाशित की। गॉडविन ने अपनी पुस्तक में लोगों की दुर्दशा एवं तकलीफों के लिए सरकार को दोषी बताया। माल्थस के पिता गाडविन से सहमत थे लेकिन अपने पिता एवं गाडविन के विचारों की प्रतिक्रिया में माल्थस ने अपने सिद्धान्त का प्रतिपादन किया।